विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

हरित महाकुम्भ के लिए 21 लाख लोगों को एक थाली-एक थैला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ को गंदगी मुक्त और प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए एक थाली-एक थैला अभियान शुरू किया है। संघ का मानना है इससे देश भर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का सन्देश प्रवाहित हुआ है। यह अभिनव अभियान मां गंगा को किसी भी तरह के कचरे से बचाकर पवित्रता बनाए रखने का प्रयास है। 45 दिन के महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में वहां भोजन आदि से 40 हजार टन प्लास्टिक कचरा निकलने की भी संभावना है। संघ का कहना है कि तीर्थयात्रियों के पास तक एक थाली और थैला पहुंचाया जाएगा तो महाकुंभ में कचरे को कम किया जा सकता है। एक थाली एक थैला अभियान चलाने के पीछे संघ की सोच है कि श्रद्धालुओं को डिस्पोजल बर्तनों में भोजन ना करना पड़े। महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहयोगी संस्था अखिल भारतीय पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की तरफ से आस्था के इस मेले में एक थाली एक थैला अभियान की देशभर में सराहना की जा रही है। महाकुंभ क्षेत्र में श्रद्धालुओं और संस्थाओं को स्टील की थाली व कपड़े से बने हुए थैले बांटे जा रहे हैं। संघ से जुड़े संगठन की तरफ से पूरे मेला क्षेत्र में अभियान चला कर 21 लाख से ज्यादा थालियां और करीब इतने ही थैले बांटे जाने हैं। इनमें से अधिकांश सामग्री महाकुम्भ में पहुँच गई है। संघ 13 जनवरी को महाकुंभ का शुभारंभ होने से पूर्व विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, संतों-महंतों तक पर्याप्त थाली और थैले पहुंचाने के अपने प्रयास में जुटा है ताकि श्रद्धालुओं को डिस्पोजल बर्तनों में भोजन नहीं करना पड़े। इससे गंदगी नहीं फैलेगी। यह थालियां और थैले देश भर से इकट्ठे किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि ने थैले और थाली का यह अभियान इसलिए चलाया ताकि स्वच्छ और प्लास्टिक फ्री कुंभ की परिकल्पना साकार हो सके। गतिविधि से जुड़े हुए पदाधिकारियों के मुताबिक यूपी की योगी सरकार ने महाकुंभ को प्लास्टिक फ्री के तौर पर आयोजित करने का फैसला किया है। इसी के तहत महाकुंभ क्षेत्र में कपड़े के थैले बांटे जा रहे हैं। कपड़े के थैले होने पर लोग प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचेंगे साथ ही थाली साथ होने पर लोग उसे ही धोकर इस्तेमाल करेंगे। इसका एक बड़ा लाभ यह होगा कि कचरा इधर-उधर लोग नहीं फेंकेंगे। प्रयागराज महाकुंभ में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि कि यह मुहिम खासी चर्चा में है। लोग इस मुहिम की जमकर तारीफ कर रहे हैं और इसे सफल बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प ले रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के विभिन्न प्रांतों से एकत्र की गईं थालियों को महाकुंभ तक लाने का दायित्व देख रहे डॉ. अमित कहते हैं कि मेले या सार्वजनिक स्थल पर ऐसा सेवाकार्य कभी नहीं हुआ। हम 21 लाख थालियां और थैले वितरित करके इस अभियान को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराएंगे।

कचरा पूरी दुनिया के लिए एक वैश्विक समस्या है। भारत की बात करें तो आज घर घर में प्लास्टिक ने अपना कब्ज़ा जमा लिया है। कचरा में प्लास्टिक सबसे खतरनाक माना जाता है। प्लास्टिक कचरा से हर देश परेशान है। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद हमारा फ्री प्लास्टिक का सपना पूरा नहीं हो रहा है और इसका एक मात्र कारण इसका सस्ता, टिकाऊ और हल्का होना है। पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध के बाद भी इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। हर जगह पॉलीथिन का उपयोग हो रहा है।

महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सरकारी और स्वैच्छिक संस्थाएं अपने अपने प्रयासों में जुटी है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए संतों के सर्वोच्च संगठन अखाड़ा परिषद ने भी महाकुंभ 2025 को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। इस वर्ष स्नान के लिए निर्धारित प्रमुख दिनों पर महाकुंभ मेला क्षेत्र में पांच करोड़ श्रद्धालुओं एवं स्थायी रूप से 50 लाख कल्पवासियों के ठहरने का अनुमान है। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ की तैयारियों के साथ ही स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र में लाखों की संख्या में टॉयलेट और डस्टबिन भी लगाए जा रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साधने और सफल बनाने की दिशा में विशेष कार्य योजना तैयार कर उसके दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू किया गया है। सभी कार्य मिशन मोड पर शुरू किए जा चुके हैं, ताकि महाकुंभ 2025 का आयोजन न केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक हो, बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वच्छता की दृष्टि से भी एक प्रेरक बन सके।

महाकुंभ में सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने के साथ ही उसके विकल्प के रूप में दोने-पत्तल, कुल्हड़, जूट एवं कपड़े के थैले आदि जैसे प्राकृतिक उत्पाद बड़े स्तर पर तैयार किए जा रहे हैं। इस कार्य के लिए उत्तर प्रदेश के 28 जिलों सहित बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से महाकुंभ के दौरान मेला क्षेत्र में ही इन प्राकृतिक उत्पादों के स्टॉल लगाकर पूरे क्षेत्र में सप्लाई की जाएगी। प्रयागराज नगर निगम ने मेला क्षेत्र के दुकानदारों को भी प्राकृतिक उत्पादों का ही प्रयोग करने का निर्देश जारी किया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादों के प्रयोग की रोकथाम के लिए 250-250 के बैच में करीब 1800 गंगा सेवादूतों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ये गंगा सेवादूत महाकुंभ में स्वच्छता के साथ ही मेला क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने में बेहद अहम भूमिका निभाएंगे। विशेष तौर पर ये सेवादूत शौचालय, सड़कों की सफाई व्यवस्था, टेंट सिटी का निरीक्षण करेंगे और किसी तरह की गंदगी या गड़बड़ी पाए जाने पर इन्फॉर्मेशन, कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) सिस्टम के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही शहर में सभी पॉलिथीन बैग के थोक विक्रेताओं को भी पूरे शहर में पॉलिथीन की सप्लाई रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा प्रमुख स्नान अवधि के दौरान स्थानीय उद्योग अस्थायी रूप से बंद रहेंगे, ताकि गंगा घाटों की स्वच्छता एवं पवित्रता बनी रहे और लाखों भक्तों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित वातावरण तैयार हो सके।

कचरा पूरी दुनिया के लिए एक वैश्विक समस्या है। भारत की बात करें तो आज घर-घर में प्लास्टिक ने अपना कब्जा जमा लिया है। कचरा में प्लास्टिक सबसे खतरनाक माना जाता है। प्लास्टिक कचरा से हर देश परेशान है। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद हमारा फ्री प्लास्टिक का सपना पूरा नहीं हो रहा है और इसका एक मात्र कारण इसका सस्ता, टिकाऊ और हल्का होना है। पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध के बाद भी इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। हर जगह पॉलीथिन का उपयोग हो रहा है। किराना सामान खरीदना हो या फिर सब्जी, फल हों या अन्य सामग्री, हर जगह अमानक स्तर की पॉलीथिन उपयोग की जा रही है। पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान प्लास्टिक कचरा से पहुंचता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का महाकुम्भ को प्लास्टिक फ्री करने का अभियान निश्चय ही देशवासियों के समक्ष एक प्रेरणादायी उदाहरण है। देश में लाखों की संख्या में सामाजिक संस्थाएं है जिन्हें संघ से प्रेरणा लेकर देश को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए मिलजुलकर प्रयास करने चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

लोगों का दिल जीत लेते हैं देवनानी

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी 77 वर्ष की आयु में भी निरन्तर सक्रिय रहते हैं

लगातार कार्य में व्यस्त होने के बाद भी राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के चेहरे पर कभी थकान की शिकन तक नहीं आती है बल्कि वे प्रत्येक यात्रा के बाद ऊर्जावान दिखाई देते हैं। विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद कार्य दिवसों पर यदि वे जयपुर में हैं तो विधानसभा प्रात: 10:15 बजे पहुँचेंगे और सांय 6:15 बजे ही विधानसभा के कार्यालय से अपने निवास पर लौटते हैं। अजमेर विधानसभा क्षेत्र में उनके कार्यक्रमों, समारोह, मुलाकातें, बैठकों की श्रंखला वाकई देखने लायक होती है।

उनके द्वारा प्रत्येक शनिवार व रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में किये जाने वाले अपार कार्यक्रम तो शायद कोई अन्य चुनाव आने के समय भी इतने कार्यक्रम नहीं करते होंगे। गरीब, दलित, असहाय, जरूरतमंद जो भी उनके पास पहुँच जाता है, उसकी मदद वे अवश्य करते हैं। यही कारण है कि उनसे मिलकर आने वाला आमजन कभी निराश होकर नहीं लौटता है और वे बहुत जल्द ही लोगों के दिल में अपना स्थान बना लेते है। अपने सरकारी निवास पर हो या विधानसभा उनसे मिलने वालों का तांता लगा ही रहता है। लोगों की आत्मीयता से मदद करके उन्हें बहुत अच्छा लगता है। प्रात: 4 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिदिन सक्रिय रहने वाले देवनानी बताते है कि एकादशी के दिन उनका जन्म होने के कारण उनकी जन्म तिथि 11 जनवरी की गई।

11 जनवरी, 1948 को राजस्थान की हृदयस्थली अजमेर में जन्मे, 1958 से राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ एवं 1972 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सक्रिय रूप से जुड़े वासुदेव देवनानी ने अपने राजनैतिक जीवन में निरन्तर पांच बार विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक, मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष रहकर प्रदेश की उल्लेखनीय सेवा कर रहे हैं। वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष के रूप में वे लोकतन्त्र के सुदृढीकरण के लिए अनेक नवाचार कर रहे हैं। पेशे से शिक्षक रहे देवनानी स्वयं अनुशासन में रहते हैं और लोगों से भी वे अनुशासन की अपेक्षा रखते है। कई बार ये समारोह में निर्धारित समय पर आयोजकों से पहले पहुंच जाते हैं।

एम.बी.एम इंजीनियरिंग कॉलेज जोधपुर से इलेक्ट्रिकल विषय में बी.ई. की उपाधि प्राप्त करने वाले देवनानी ने विद्याभवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर में प्राचार्य के रूप में सेवाएं प्रदान की है और 2023 में प्रथम बार 12वी विधानसभा (2003 से 2008) में अजमेर पश्चिम से विधायक निर्वाचित हुए। उसके पश्चात 2008 से 2013, 2013 से 2018 और 2018 से 2023 और दिसम्बर, 2023 में पुन: अजमेर उत्तर से देवनानी विधायक निर्वाचित हुए हैं।

देवनानी ने मई 2004 से दिसम्बर, 2008 तक राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, भाषा, भाषायी अल्पसंख्यक चिकित्सा एवं कृषि जैसे महवपूर्ण विभागों के राज्यमंत्री के रूप में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की है। चौदहवी विधानसभा के कार्यकाल के दौरान पुन:

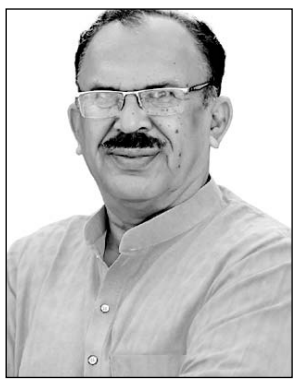

वासुदेव देवनानी

दिसम्बर, 2014 से दिसम्बर, 2018 तक प्राथमिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्वतंत्र प्रभार एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के राज्यमंत्री के रूप में भी सेवाएं दी है।

तीन दशकों तक अध्यापन के क्षेत्र में सकारात्मक और सार्थक भूमिका में रहे वासुदेव देवनानी ने प्रकाशन और लेखन के क्षेत्र में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। देवनानी ने अनन्य एवं अनेक पत्र-पत्रिकाओं के साथ-साथ विभिन्न समाचार पत्रों में सारगर्भित आलेख लिखे हैं। शिक्षाविद् के रूप में पहचान रखने वाले देवनानी शिक्षा क्षेत्र की विशेषताओं व खामियों से भली-भांति परीचित है। देवनानी ने शिक्षा क्षेत्र की खामियों का निदान करने के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था में काउन्सिलिंग द्वारा पदस्थापन शाला दर्पण अपडेशन और स्टाफिंग पैटर्न जैसे महत्वपूर्ण सुधार किए।

सुदीर्घ संसदीय अनुभव रखने वाले देवनानी विधानसभा के कार्यकाल के दौरान प्राक्कलन समिति क प्राक्कलन समिति ख, विशेषाधिकार समिति, अधीनस्थ विधान संबंधी समिति, स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समितियों के सदस्य एवं सभापति भी रहे हैं। देवनानी ने इन समितियों के माध्यम से कार्यपालिका को विधायिका के प्रति उत्तरदायित्व बनाने के सिद्धान्त को परिपुष्ट किया है। 13वीं और 15वीं विधानसभा में प्रतिपक्ष के दायित्व का भी देवनानी ने बखूबी निर्वहन किया। क्षेत्रीय कार्य समिति, कपार्ट के सदस्य और रूरल डेवलपमेंट एवं रिकंस्ट्रक्शन एक्टिविटीज के देवनानी अध्यक्ष भी रहे।

सोलहवीं विधानसभा के गठन के उपरांत देवनानी 21 दिसम्बर, 2023 को राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए है। अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के बाद देवनानी ने विधानसभा कार्यप्रणाली के सुदृढ़ीकरण के प्रयास प्रारम्भ कर विधानसभा को पेपरलैस बनाने, नेवा प्रोजेक्ट को लागू करने, पर्ची व्यवस्था पुन: आरम्भ करने, कार्यवाही के दौरान भोजनावकाश देने का और सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक जैसे नवाचार करते हुए अनेक सुधारात्मक कदम उठाये है। विधानसभा में वाट्सअप चैनल, ई-बुलेटिन सहित कई नवीन सुविधायें भी देवनानी ने शुरू की है। विधानसभा में बने डिजिटल म्यूजियम का प्रसारित करने, इसकी विषयवस्तु को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिये परिवर्तन एवं परिवर्धन जैसे कदम उठाने के साथ-साथ विधानसभा जनदर्शन कार्यक्रम की शुरुआत देवनानी ने की है। वर्तमान में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों की कार्यकारिणी समिति के सदस्य पद पर देवनानी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मनोनित किया है।

जनवरी, 2024 में मुम्बई में आयोजित 64वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में देवनानी ने भाग लिया। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष देवनानी 3 से 8 नवम्बर, 2024 तक न्यू साउथवेल्स ऑस्ट्रेलिया में 674 राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्य करते हुए सम्मिलित हुए तथा पोस्ट स्टडी ट्यूयर के तहत इण्डोनेशिया, सिंगापुर और जापान की बाजारों की।

सनातन और राष्ट्र भावना से ओतप्रोत देवनानी लगभग 10 वर्ष की आयु में ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक बन गये तथा वर्ष 2000 में संघ के प्रान्त प्रचार प्रमुख बने। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष भी रहे है। समाजसेवी देवनानी राजस्थान सिंधी साहित्य समिति के अध्यक्ष, आरतीय सिंधु सभा के केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तथा सिंधी संगीत समिति के संरक्षक एवं सिंधी भाषा विकास समिति के मुख्य संरक्षक भी रह चुके है। देवनानी को वर्ष 2003 में सर्वोत्तम पॉलिटेक्निक अवार्ड, सिंधु गौरव अवार्ड तथा सिंधु रन अवार्ड से भी सम्मानित हुए है।

–डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा,
उप निदेशक, राजस्थान विधानसभा, जयपुर

बोर्ड परीक्षा से पहले राज्य के पांच हजार उच्च माध्यमिक स्कूलों को प्रिंसिपल मिलने की उम्मीद

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने वाइस प्रिंसिपल से प्रिंसिपल पदों की डीपीसी की तैयारी शुरू की

बीकानेर, (निसं)। 12वीं बोर्ड परीक्षा से पहले राज्य के पांच हजार उच्च माध्यमिक स्कूलों को प्रिंसिपल मिलने की उम्मीद है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने वाइस प्रिंसिपल से प्रिंसिपल पदों की डीपीसी की तैयारी शुरू कर दी है। शिक्षा निदेशालय ने प्रिंसिपल पदों पर वर्ष 2023-24 की डीपीसी के लिए 5551 वाइस प्रिंसिपल की पात्रता सूची जारी कर दी है। अब शिक्षा निदेशालय से जल्द ही डीपीसी के प्रस्ताव आरपीएससी को भिजवाए जाएंगे।

आरपीएससी से डीपीसी की तिथि निर्धारित होने के बाद पात्र वाइस प्रिंसिपल का प्राचार्य पदों पर प्रमोशन होगा। प्रमोशन के बाद चयनित प्रधानाचार्य को काउंसलिंग के जरिए स्कूलों में पोस्टिंग दी जाएगी। संभावना जताई जा रही है कि यह प्रक्रिया जनवरी, फरवरी में पूरा हो सकती है। जानकारी के अनुसार वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रिंसिपल के करीब सात हजार पद रिक्त चल रहे हैं। वर्ष 2023-24 की डीपीसी में करीब पांच हजार पद भरने की संभावना जताई जा रही है।

- **वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रिंसिपल के करीब सात हजार पद रिक्त चल रहे हैं**

उधर डीपीसी में विलंब को लेकर राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद उप प्राचार्य के पदाधिकारी संघर्षरत है। समय पर डीपीसी नहीं होने से नाराज रेसा, वीपी संगठन के पदाधिकारियों ने 13 जनवरी को शिक्षा निदेशालय पर एक दिवसीय धरने की चेतावनी दी है। वर्ष 2023-24 की डीपीसी से स्कूलों में प्रिंसिपल के 70 प्रतिशत भरने की संभावना है। प्रमोशन के बाद भी स्कूलों में 30 प्रतिशत पद खाली रहेंगे। शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल के करीब 17900 पद स्वीकृत हैं, जिसमें से सात हजार के लगभग रिक्त चल रहे हैं। डीईओ डीपीसी की भी तैयारी शिक्षा विभाग ने डीईओ डीपीसी की भी तैयारी शुरू कर दी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से 1261 प्रिंसिपल की सूची जारी कर इनमें से एक जून 2002 को या इसके बाद दो से अधिक संतान होने वालों की सूचना ई मेल आईडी पर मांगी गई है। आदेश के अनुसार दो से अधिक संतान वालों की सूचना संकलित कर शासन को जिला शिक्षा अधिकारी तथा समकक्ष पदों पर 2023-24 व 2024-25 दो चयन वर्ष की डीपीसी के प्रस्ताव भिजवाए जाने हैं।

भीलवाड़ा में ''हरित संगम मेला'' शुरु

शहर में हजारों खिलाड़ियों ने ''खेल की रेल'' निकाली जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रही

भीलवाड़ा, (निसं)। अपना संस्थान एवं नगर निगम, भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में 10 जनवरी से 14 जनवरी तक स्थानीय चित्रकूट धाम अवधपुरी में आयोजित हरित संगम-2025 स्वच्छता पर्यावरण मेले का उद्घाटन शुक्रवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने भगवान श्रीराम की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर एवं तुलसी माता को जल अर्पण कर किया। इसके बाद उन्होंने खेल की रेल को झंडी दिखाकर रवाना किया। रेल का नेतृत्व अर्जुन अवॉर्डी एवं पद्मश्री देवेंद्र झांझड़िया ने किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर नमित मेहता, नगर निगम महापौर राकेश पाठक, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, अपना संस्थान प्रांत सचिव विनोद मेलाना, मेला संयोजक राधेश्याम सोमानी, अपना संस्थान अध्यक्ष श्यामसिंह राठौड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी, उद्योगपति, नागरिकगण उपस्थित रहे।

अपना संस्थान के अंकुर बोरदिया ने बताया कि वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने हरित संगम मेले के उद्घाटन के बाद मेले में लगी विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने मुंबई से विशेष रूप से आई प्लास्टिक कचरा रीसाइकिल मशीन को देख उससे हाथोंहाथ निर्मित होने वाले उत्पादों की सराहना की। इसके बाद वे

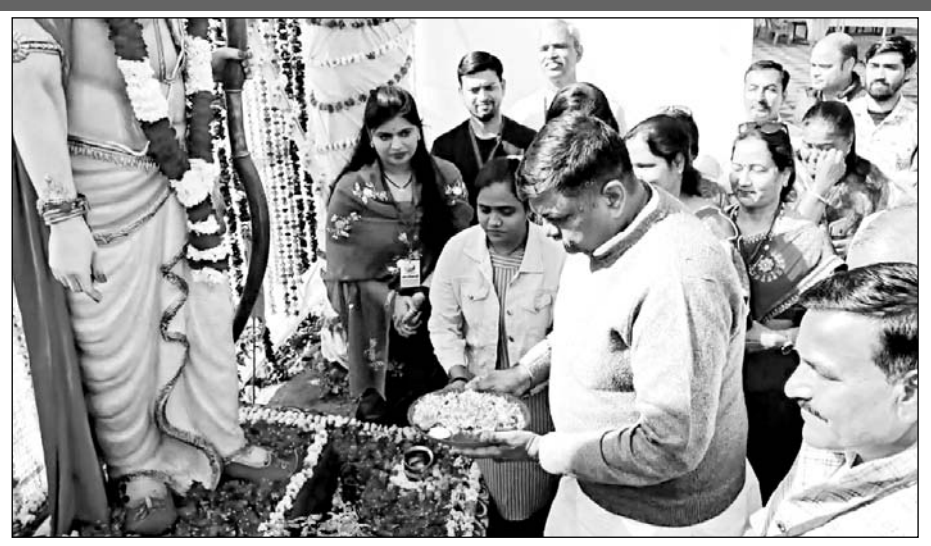

वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने भीलवाड़ा में हरित संगम मेले का उद्घाटन किया।

मेले में लगी स्टॉल्स का अवलोकन करते हुए वे दस हजार पुष्पों से अधिक से सजे फ्लावर शो में पहुंचे और फूलों और प्लांट का कलेक्शन देख आयोजकों को बधाई दी। वन मंत्री इसके बाद शहर में निकली खेल की रेल में स्वयं ओपन जीप में सवार होकर शामिल हुए। हरित संगम मेले से पूर्व आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं, उप विजेताओं, टीम सदस्यों सहित 22 से अधिक खेलों से जुड़े भीलवाड़ा के हजारों खिलाड़ी खेल की रेल बनाकर अपने खेल का प्रदर्शन करते हुए शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरे। यह रेल पुन: चित्रकूट धाम अवधपुरी पहुंच संपन्न हुई, जहां पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर मेला सहसंयोजक साधना मेलाना, राघव आचार्य आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेल की रेल के प्रारंभ से लेकर अंत तक 4 घोष दल कदमताल करते हुए बैंड वादन से सभी का मन मोह रहे थे। इसके अलावा रेल के प्रारंभ में 11 बैलगाड़ियों सहित 3 अश्व, एक कच्छी घोड़ी भी आकर्षण का केंद्र रही। शहर में पहली बार निकली इस अनूठी खेल को रेल को देखने की शहरवासियों में उत्सुकता रही। बैलगाड़ी यात्रा में भेरूलाल गुर्जर का विशेष योगदान रहा। खेल की रेल में भीलवाड़ा के 22 से अधिक खेलों से जुड़े खिलाड़ी शामिल हुए। क्रीड़ा भारती के राजेंद्र काबरा, रोशन देवपुरा, गोविंद स्वरूप पाठक, विश्वजीत सिंह आदि का खेल की रेल के आयोजन में विशेष योगदान रहा।

पर्यावरण एवं स्वच्छता जागरूकता का संदेश देने हेतु राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुभाषनगर एवं राजकीय महात्मा गांधी स्कूल, पुलिस लाइन के छात्र-छात्राओं ने शहर के मुख्य मार्गों से होकर एक विशाल पर्यावरण एवं स्वच्छता साइकिल रैली निकाली। इस अवसर पर साइकिल गतिविधि प्रभारी अरुण मुछाल, सुभाष नगर स्कूल प्रधानाचार्या उर्मिला जोशी, प्रदीप सांखला, सुरेश बम्ब, राजकुमार अजमेरा, राकेश सक्सेना आदि का सहयोग रहा।

हरित संगम मेले के आयोजित मांडना प्रतियोगिता में प्रथम सुमित गुर्जर, द्वितीय यशस्वी बाहेती रहे। निर्णायक ज्योति सोनी, विद्या सोनी रहे। विजेताओं को खंडेलवाल महिला मंडल के सहयोग से पारितोषिक प्रदान किए। चेयर रेस में प्रथम ज्योति खंडेलवाल, द्वितीय नमिता खंडेलवाल, प्रीति खंडेलवाल तृतीय रहे। सुई धागा प्रतियोगिता में युवकों में प्रथम अभिषेक खटीक, द्वितीय हर्षित साई, महिलाओं में प्रथम दीपाली नकवाल, द्वितीय खुशाली नकवाल रहे। इस अवसर पर खेल संगम प्रभारी मधु लोढ़ा एवं दिव्या बोरदिया, जिम्मी बाग़चार, नीलम कोठारी, पूनम जैन, रीना सिसोदिया, अरुणा पोखरना, आशा रामावत सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित रही। हरित संगम मेले के प्रथम दिन के अंतिम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम गणेश वंदना के साथ प्रारंभ हुए।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 11 जनवरी, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र दिन 12:24 तक, शुक्ल योग दिन 11:48 तक, बालव करण प्रात: 8:22 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:55 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 12:29 तक है। आज शनि प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत है। आज त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:40 से 9:58 तक, चर 12:35 से 1:53 तक, लाभ-अमृत 1:53 से 4:29 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:48

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नवीन कारोबारी योजना का क्रियान्वयन होगा। कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

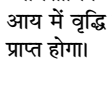

व्यावसायिक परेशानी अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

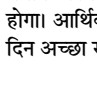

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु

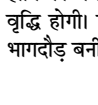

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

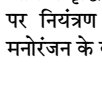

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कुंभ

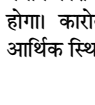

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

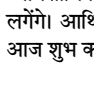

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।